Total No. of Questions : 4]

SEAT No. :

P966

[Total No. of Pages : 3

[4863] - 1020
F.Y. B.Com.
HINDI
Hindi Additional
(2013 पॅटर्न)

पाठ्यपुस्तकें : 1) गद्य परिमल
संपादक : डॉ. सुभाष तलेकर
डॉ. रामचंद्र सालुंके
2) पद्य परिमल
संपादक : डॉ. सुभाष तलेकर
डॉ. अनिता नेरे

समय : 3 घण्टे] *[पूर्णांक : 60*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) दाहिनी ओर के अंक प्रश्न के पूर्णांक हैं।

प्रश्न 1) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। **[15]**

i) डाकू खड़गसिंह के मन का परिवर्तन कैसे हो गया?

ii) सुभान खाँ के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

iii) चंदा की दुर्दशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

iv) सिनेमा द्वारा खेती का प्रचार कैसे होता है?

v) गॉव आया व्यापारी नदी खरीदना क्यों चाहता है?

प्रश्न 2) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। **[15]**

i) 'एक बूँद' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

ii) 'प्रार्थना मत कर' कविता द्वारा कवि कौन–से भाव व्यक्त करते है?

iii) 'एक बार फिर आओ' कवि ऐसा क्यों कहते है?

iv) 'गजल : ज्यों लक्ष्य है मिलेगा' कविता का भावार्थ लिखिए।

v) 'वृंदावन' कविता में विधवाओं की दुर्दशा का वर्णन किस प्रकार किया है?

P.T.O.

प्रश्न 3) अ) निम्नलिखित में से किसी एक अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **[5]**

i) ''अरे बाबू, दो–चार मिनट और खडी रहने दे न गाडी को। देखता नहीं, यह बीबी इसी गाँव की है.....।''

ii) ''सरकार, यह लावारिस था। आज दिन में मर गया बेचारा। तभी से इंतजाम करने में लगे थे।''

ब) निम्नलिखित में से किसी एक अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **[5]**

i) ''एक बीज को पौधा बनने के लिए जल नहीं
आँसू और पसीना और रक्त चाहिए
जैसे आटे को रोटी बनने के लिए
पानी और नमक और आग चाहिए।''

ii) ''जिस तरह धूप, हवाएँ, जलधाराएँ गंध ऊष्माएँ
किसी भी आकार प्रकार रेशम धागे में
नही बंधती
बस उसी तरह
जीवन की करूणा, आत्मीयता
और मनुष्यता .....।''

क) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक–एक वाक्य में लिखिए। **[5]**

i) 'औद्योगिक क्षेत्र के भीष्माचार्य' किसे कहते है?

ii) 'अग्निपथ' कहानी के प्रमुख दो पात्रों के नाम लिखिए।

iii) मिट्टी का स्थान यदि पंचभूत में है तो गोबर का स्थान क्या है?

iv) कहानीकार महीप सिंह लिखित पठित कहानी का नाम लिखिए?

v) पठित कविता 'मनुष्यता' के कवि का नाम लिखिए।

vi) 'एक बीज को पौधा बनने के लिए क्या चाहिए?

vii) गिरिराज शरण अग्रवाल के अनुसार काँटों पे फूल बनके क्या नहीं छोडना चाहिए?

viii) डॉ. जय प्रकाश कर्दम बारूद के ढेर पर क्या खडा देखते है?

प्रश्न 4) अ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों के हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए। **[5]**

i) Audit

ii) Bond

iii) Capital

iv) Customer

v) Deposit

vi) Export

vii) In-word

viii) Zone

ब) निम्नलिखित में से किसी एक विज्ञापन का आकर्षक नमूना तैयार कीजिए। **[5]**

i) घने लंबे और काले बालों के लिए गुणवर्धक तेल का विज्ञापन।

ii) किसी टूथपेष्ट का आकर्षक विज्ञापन।

क) निम्नलिखित परिच्छेद का एक-तिहाई में सारलेखन (संक्षेपन) कीजिए। **[5]**

जीवन में हम गुलाब की अपेक्षा रखते हैं, तो हमें गुलाब के काँटों को भी स्वीकार करना पडेगा। काँटों से होनेवाले दर्द को झेलना पडेगा। और हाँ, जिनके जीवन में सुख है उनको अपने दु:ख के दिन नहीं भूलने चाहिए। इसी का नाम जिंदगी है। अगर हमें अपने जीवन में सुखी होना है तो, हमें हमेशा प्रसन्न रहना चाहिए। अपने जीवन में आनेवाली अनेक समस्याओं का सामना करके आदमी को अपना जीवन सुखी करना चाहिए। अर्थात् सुख प्राप्त करना यह बात मनुष्य के ही मन की अवस्था है। इसलिए मन हमेशा प्रसन्न होना चाहिए। मनुष्य के जीवन मे ंसुख, मन की प्रसन्नता पर निर्भर करता है। आतंकित मन दु:ख लाता है और प्रसन्न मन जीवन में सुख भर देता है।

● ● ●